

एक्सप्रेस-वे का जाल बिछने, ईज आफ ड्रइंग बिजनेस में बेहतर काम होने से विदेशी निवेशक यूपी की तरफ हो रहे आकर्षित

विदेशी कारोबारियों को पसंद आ रहा यूपी, बढ़ रहा निवेश

हिन्दुस्तान

खास

राज्य मुख्यालय | अजित खरे

विदेशी कारोबारियों को उत्तर प्रदेश भी रस आने लगा है। जर्मनी, ब्रिटेन, यूएस समेत कई देशों की कंपनियां इस राज्य में निवेश की तैयारी में हैं। यही कारण है कि यूपी में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ रहा है। चार सालों में एफडीआई यूपी में 1771 करोड़ करोड़ रुपये पहुंच गया।

औद्योगिक विकास विभाग ने एफडीआई के क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने की तैयारी की है। जापान, अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, जर्मनी व दक्षिण कोरिया की

कंपनियों के निवेश प्रस्ताव दो साल में अमल में आ गए तो 2022 तक 45 हजार करोड़ रुपये का तो विदेशी निवेश आ जाएगा। फ्रांस की कंपनी सौर ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश के लिए इच्छुक है। जर्मनी की कंपनी वॉनवैलेक्स ने तो फूटबिचर निर्माण में 300 करोड़ का निवेश की तैयारी कर ली है।

पहले चरण का कंपनी का निवेश आगम में इसी कोरोना काल में हो गया है। एसोसिएटेड ब्रिटिश फूड पीएलसी (एबी मीरी) खमीर मैनुफैक्चरिंग सेक्टर 750 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। इसे जमीन भी मिल गई है। जापान की कंपनी वायरिंग हारनेस तथा कंपोनेंट्स में 2000 करोड़ का निवेश करेगी। दक्षिण कोरिया की सैमसंग का तो यूपी में पहले से काफी

पश्चिमी व दक्षिण के राज्यों से कड़ी चुनौती

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का बड़ा हिस्सा महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, केरल, आंध्रप्रदेश व कर्नाटक जैसे ज्यादा विकसित राज्यों में चला जाता है। इसी कोरोना काल में अप्रैल से सितंबर तक गुजरात में 119566 करोड़ का, कर्नाटक में 27458 करोड़, महाराष्ट्र में 27143 करोड़ का विदेशी निवेश हुआ। उत्तर प्रदेश में शासन के एक

वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि पोर्ट न होने व लैंड लाइड राज्य की वजह से विदेशी निवेश उम्मीद से कम हुआ है, लेकिन अब स्थिति बदली है। एक्सप्रेस-वे का जाल बिछने, ईज आफ ड्रइंग बिजनेस में बेहतर काम होने व यूपी की बेहतर ब्रांडिंग होने के कारण अब आने वाले समय में भारी निवेश होगा।

यूपी में एफडीआई

वित्तीय वर्ष	विदेशी निवेश
2015-16	524
2016-17	50
2017-18	578
2018-19	234
2019-20	1771
2020-21	1680
(सितंबर 2020 तक)	
स्रोत : रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया	

ईज
ऑफ
ड्रइंग

एफडीआई बढ़ाने के लिए ईज आफ ड्रइंग बिजनेस के तहत काफी काम किया गया है। विदेशी निवेश के लिए कुछ नीतियों में बदलाव की जरूरत भी महसूस की जा रही है। सोलर इनर्जी के क्षेत्र में फ्रांस समेत कुछ देशों की कंपनियों ने निवेश की इच्छा जाहिर की है। उनसे बात कर दिक्कतों का समाधान कराया जाएगा। आलोक कुमार, अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास

निवेश है और अब वह सैमसंग डिस्प्ले नाम से भारी निवेश की

योजना बनाई है। कनाडा की एंफ्रेटा ने खाद्यान्न अवस्थापना उपकरणों में

746 करोड़ का निवेश का लक्ष्य रखा है।